आज़ादी का अमृत महोत्सव

भविष्य के पूर्वानुमान का सबसे अच्छा तरीका उसका निर्माण करना है।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जनवरी, 2023

निदेशक (विपणन) का नववर्ष संदेश

प्रिय साथियो,

"भविष्य के पूर्वानुमान का सबसे अच्छा तरीका उसका निर्माण करना है।"

यह महत्वपूर्ण प्रेरणादायी उद्धरण हमारे व्यवसाय और जीवन की फिलॉसोफी को दर्शाता है। स्पष्ट विजन और निर्धारित रोडमैप के साथ, हमें अपना भविष्य बनाना है। इसके लिए आत्मनिरीक्षण, दृढ़ संकल्प, प्रतिबद्धता और कार्य के प्रति समर्पण की आवश्यकता है।

हम नए वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। यह हमारे द्वारा पूर्व में प्राप्त किए गए लक्ष्यों के अवलोकन का समय है। यह वर्ष उन मील के पत्थरों को फिर से देखने का अवसर जिन्हें हमने विगत वर्ष में पार किया है। यह, बीते वर्ष के दौरान अपनी कार्यों की समीक्षा करने का भी समय है। इस प्रकार हासिल की गई ऐतिहासिक उपलब्धियों को बनाए रखते हुए यह समय, आगामी वर्ष के लिए पथ निर्धारित करते हुए अपनी कार्यक्षमता को उत्कृष्ट करने का है।

वर्ष 2022 में इंडियन ऑयल के 35,000 वें रिटेल आउटलेट को कमीशन किया गया। हमने अपने ब्रांडेड ईंधन बाजार को बढ़ाते हुए अपनी स्थिति और मजबूत की है -जैसे - XP95 अब हमारे 8,600 से अधिक, XP100 160 से अधिक तथा XTRAGREEN 3,300 से अधिक आउटलेट्स पर उपलब्ध है। रिटेल आउटलेट पर ग्राहकों की जरूरतों व सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक डीयू की शुरुआत की गई और आकर्षक कैनोपी, ड्राइव वे, वॉशरूम और आरवीआई एलीमेंट्स द्वारा उन्हें ग्राहकों को आकर्षित करने का रूप दिया गया है। हम, सड़क के किनारे आवश्यक सुविधाओं और वैकल्पिक ऊर्जा (सीबीजी, एलएनजी फ्यूल स्टेशनों और इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशनों) जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एलपीजी में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसमें कम्पोजिट सिलेंडर को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए हमारा ध्यान वाणिज्यिक और औद्योगिक उत्पादों पर भी केंद्रित रहा है। इस क्रम में XTRATEJ, NANOCUT, JUMBO, CHHOTU और MUNNA पर व्यापक जोर दिया गया है। वर्ष 2022 के दौरान, बॉटलिंग क्षमता को बढ़ाकर 10,741 टीएमटी करते हुए एक रखरखाव कैडर भी बनाया गया है। एलपीजी में DMI (डाइमिथाइल ईथर) के सम्मिश्रण की पायलट प्रक्रिया पर चर्चा इसी वर्ष के दौरान शुरू की गई।

आईबी (संस्थागत व्यापार) के आंकड़ों में प्रभावशाली वृद्धि हुई है। अप्रैल से नवंबर 2022 तक 15,000 किलोलीटर एक्सट्राग्रीन डीजल की बिक्री की गई । आरएसपी पर लगभग ₹ 20 रुपये प्रति लीटर के मूल्य अंतर को देखते हुए यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। 31 मार्च 2022 तक, एक मिलियन टन VLS FO मरीन बंकर फ्यूल की बिक्री के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़ते हुए हम आगे बढ़ रहे हैं। हमने गैर-पीक सीजन के दौरान भी सल्फर की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है।

हमारे सुपर ब्रांड सर्वो ने ग्राहकों के विश्वास के 50 वर्षों का स्वर्णिम जश्न मनाया। ग्रीन कॉम्बो लुब्रिकेंट को ऊर्जा दक्षता ब्यूरो ने दूसरी सर्वश्रेष्ठ नई खोज के रूप में सम्मानित किया। इस क्षेत्र में तकनीकी सेवाओं द्वारा पूरी लगन से किए गए परीक्षणों ने इस पहचान को अर्जित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हमने पिछले वर्ष के दौरान कुल ₹4,746 करोड़ रुपये कैपेक्स के साथ दीर्घकालिक पूंजीगत व्यय लक्ष्यों को प्राप्त किया। अपनी भंडारण क्षमता में वृद्धि करते हुए हमने गुंटकल, सिलचर, मोतिहारी, मनमाड, अहमदनगर, आसनूर, हिंगोनिया (सीबीजी) में 434 टीकेएल टैंक जोड़े। इसी तरह सोलापुर, अच्युतापुरम, मल्कापुर, बैतालपुर, विजयवाड़ा और गोरखपुर (सीबीजी) में 485 टीकेएल टैंको को जोड़ने के लिए मैकेनिकल कार्यों को पूरा करने और कमीशनिंग की ओर हम अग्रसर हैं।

इंडियनऑयल ने 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत की गई पहल के रूप में कोयली (गुजरात) में हमारी रिफाइनरी में AVGAS 100 LL का स्वदेशी उत्पादन शुरू किया है। इससे उत्पाद की लागत कम हुई है और यह भारत में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑपरेटरों के लिए एक विकसित प्रोपेलर के रूप में कार्य कर रहा है। इंडियनऑयल एविएशन ने वर्ष 2022-23 में अब तक तीन एएफएस शुरू किए हैं, और 2022-23 के अंत तक अन्य तीन एएफएस को शुरू करने की योजना बनाई जा चुकी है। अब इंडियन ऑयल की पहुंच , पांच ओपन एक्सेस लोकेशनों के अतिरिक्त देश के 129 हवाई अड्डों तक हो गई है।

वर्ष 2022 , हरित भविष्य पर केंद्रित था। धरती के प्रति हमारी जिम्मेदारी, हमेशा उच्च प्राथमिकता रहेगी। ग्रीनको प्रमाणन प्राप्त हमारे दो COCO और दो कार्यालय भवनों (सात प्लैटिनम और 20 गोल्ड) सहित कुल 60 से अधिक इकाइयां धरती के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दर्शाती हैं । इंडियनऑयल ने पिच्छले वर्ष के दौरान ग्रीनको चैंपियन और आईजीबीसी चैंपियन पुरस्कार प्राप्त किए । इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण हरित पहल के रूप में हमने तीन लाख पेड़ भी लगाए हैं।

वर्ष 2022 के दौरान, पंद्रह प्रयोगशालाओं (लैब) को स्मार्ट प्रयोगशाला (लैब) मानदंडों के अनुरूप किया गया। इसके साथ, अबतक 50 प्रयोगशालाओं को अपग्रेड किया गया है, शेष पांच प्रयोगशालाओं को मार्च 2023 तक अपग्रेड किया जाएगा।

विगत वर्ष के दौरान सीएसआर परियोजनाओं में निरंतर गतिशीलता रही । आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा स्थित एनटीआर कॉलेज ऑफ वेटेरिनरी साइंस में विपणन प्रभाग की सीएसआर परियोजना 'फ़ोडर बैंक एंड स्किल बेस्ड ट्रेनिंग फ़ैसिलिटी' को सर्वश्रेष्ठ परियोजना घोषित किया गया। 50 से अधिक पीएसयू की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच इसे अभी भी संबंधित श्रेणियों में AIMA और FICCI से सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र के 2030 के लक्ष्य से पांच साल पहले 2025 तक 'टीबी मुक्त भारत' के माननीय प्रधानमंत्री के विजन के समर्थन में, हम लगभग ₹64 करोड़ रुपये की लागत से उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 'इंटेंसीफाइड ट्यूबरकुलोसिस प्रोजेक्ट' को कार्यान्वित करेंगे।

इंडियनऑयल ने कुनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता के पुनर्स्थापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जोकि भारतीय प्राकृतिक आवासों की जैव विविधता की बहाली में बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। इस परियोजना के प्रमुख ऊर्जावान सहयोगी के रूप में, इंडियनऑयल ने इस चीता परियोजना के लिए ₹50.22 करोड़ रुपये के सहयोग के साथ राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) का सहयोग किया है। 1952 में विलुप्त घोषित होने के सात दशक बाद, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में आठ चीतों के पहले बैच को छोड़ा गया।

भारत की गौरवशाली विरासत की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध एक संगठन के रूप में, हमने प्रतिष्ठित गेटवे ऑफ इंडिया को संरक्षित करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के पर्यटन निदेशालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (MOU) किया है। इंडियनऑयल, गेटवे आफ इंडिया के लिए आवश्यक साज सज्जा सहित ध्वनि व प्रकाश शो के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा । इसके साथ ही जेटी के लिए सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करते हुए आवश्यक विकास करेगा तथा गेटवे ऑफ इंडिया पर सुविधाओं संबंधी संकेतक उपलब्ध करवाएगा।

सभी मापदंडों से पिछला वर्ष , एक अच्छा वर्ष रहा है , विशेष रूप से, पिछले कुछ वर्षों में पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए । हमें ऐसे अवसरों के लिए भी तैयार रहना चाहिए जब हम संख्या और लाभ से आगे देख सकें।

विकास, वृद्धि और प्रगति सर्वांगीण होनी चाहिए। कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए हम आवश्यक सुधार कर रहे हैं जिससे कि हम एक बेहतर कंपनी और एक बेहतर संसार बना सकें।

कॉरपोरेट स्तर पर इसके लिए पहले से ही एक तंत्र मौजूद है जिसे कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी या CSR कहा जाता है। व्यक्तिगत स्तर पर ऐसी जिम्मेदारी अब व्यक्तिगत सामाजिक जिम्मेदारी या ISR रूप में है। इसका अर्थ है कि एक व्यक्ति के रूप में भी समाज के प्रति स्वयं की कुछ नैतिक जिम्मेदारी है। हम जो भी हैं और जो भी हम करते हैं, वह हमें वापस मिलता है । इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि "यह मत पूछो कि देश आपके लिए क्या कर रहा है बल्कि यह पूछें कि आप अपने देश, कंपनी, समुदाय, समाज और दुनिया के लिए क्या कर रहे हैं।

एक कंपनी के रूप में, इंडियनऑयल हमेशा, मौजूदा अवसरों में अपनी पूरी क्षमताओं का उपयोग करते हुए नए अवसर तलाशता है । हमें उभरते अवसरों का लाभ लेनें के लिए हमेशा जागरूक रहना है। इनमें से अधिकांश, प्रत्येक वर्ष हमारे द्वारा की जाने वाली प्रगति में परिलक्षित होती है । कार्यक्षेत्र में प्रदर्शन, हरित ऊर्जा, सतत परिवर्तित भविष्य के अनुकूल समुदाय और देश की सेवा , खेल को बढ़ावा देने जैसे पहल शामिल हैं।

मैं विचार कर रहा हूं कि हम ISR को कैसे दिशा दे सकते हैं। हम कौन सा मार्गदर्शक सूत्र अपना सकते हैं जो हमें विकास के लिए एक रोडमैप दे और हमें अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों और लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करे ।

इसके लिए COACH शब्द मन में आता है जिसे हम हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू में हाल के लेख के अनुसार विस्तृत रूप में निम्नानुसार समझ सकते हैं :

हम सभी जानते हैं कि कोच (COACH) के मायने क्या है और वे कौन हैं। एक अनुभवी और विशेषज्ञ व्यक्ति जिसे हम अपने बच्चों को उत्कृष्ट या बेहतर प्रदर्शन के लिए मार्गदर्शन देने हेतु रखते हैं। अर्थात , एक कोच के गुण क्या होने चाहिए? आइए ISR को ध्यान में रखते हुए हम इसके घटक अवयवों को समझें...

C का अर्थ **Caring** अर्थात देखभाल करना। कार्यस्थल पर इसका अर्थ है कि अपने सहयोगियों और माहौल की देखभाल करना। अर्थात सहकर्मियों की कार्यक्षमता की सीमा में वृद्धि हेतु सहयोग करने के अवसरों के प्रति हर समय जागरूक होना या ऐसे परिवेश का निर्माण करना जो कार्यक्षमता और दक्षता में वृद्धि करे।

O का अर्थ **Organizing** अर्थात सुनियोजित करना। सुनियोजित शाब्दिक और रूपक दोनों ही अर्थ में हो सकता है। बेहतर दक्षता के लिए, कार्यक्षेत्र के सुनियोजन के साथ स्वयं पर नजर रखते हुए, अपने और अपने आस-पास के लोगों के जीवन को सुनियोजित करना आवश्यक है ।

A का अर्थ **Align** and **Actualization** अर्थात समुचित रूप से जुड़ना या अपनी वास्तविकता को पहचानना, इसे मनोवैज्ञानिक दृष्टि से समझा जाए। 'मास्लो की जरूरतों के पदानुक्रम' में परिभाषित किया गया है कि यह पिरामिड का वह शिखर है जो मनोवैज्ञानिक विकास का उच्चतम स्तर होता है और जहां व्यक्तिगत क्षमता पूरी तरह से महसूस की जाती है। इसमें, हम और आस-पास के लोग भी शामिल हैं। जब ऐसा होता है, तो फिर सोचें कि संगठन कहां तक पहुंचेगा। वास्तव में, ऐसी संभावनाएं मन को अचंभित करने वाली होती हैं, जब व्यक्ति , संगठन के उद्देश्य और मूल्यों के साथ क्रमबद्ध होते हैं।

C का अर्थ **Challenging** अर्थात चुनौती , प्रत्येक व्यक्ति को महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने और विकास की ओर ले जाने वाली हर चीज के लिए प्रतिबद्धता विकसित करने कि चुनौती देना है । यह दूसरों की भलाई सहित कंपनी और समाज की भलाई के लिए एक प्रतिबद्धता है । यह स्वयं के प्रति भी प्रतिबद्धता है। यह अपने सीमित दायरे से बाहर निकलने की प्रतिज्ञा भी है। हम अपने स्तर को बेहतर करते हुए उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करें।

H का अर्थ **Help** अर्थात मदद । अपने आस-पास के लोगों को उनके लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में पूरी क्षमता से सहयोग करें । इससे हमें सामूहिक रूप से लाभ होगा। यही भाव समाज या कंपनी के बारे में भी होना चाहिए । हम सब आपस में जुड़े हुए हैं, जब कोई सफल होता है, तो हम सभी सफल होते हैं। दूसरों को उनकी क्षमता प्राप्त करने में मदद करें। H का अर्थ Hope (आशा) या Higher (उच्च) के रूप में भी समझ सकते हैं। आशा हमें आगे बढ़ाती है और ऊंचाई वह है जहां हम सभी को पहुंचना है।

हम सभी की भलाई के लिए कोच बन सकते हैं। याद रखें, सफल लीडर महान कोच होते हैं। मैं कामना करता हूं कि आप सभी उनमें से एक बनें । हमें हर अवसर को , स्वयं तथा समाज को बेहतर करने के अवसर के रूप में देखना है।

हम नव वर्ष 2023 में प्रवेश कर चुके हैं । एक नई प्रतिबद्धता के लिए यह सही समय है। यह समृद्ध वर्ष हमारा इंतजार कर रहा है। मेरी यह कामना कि हममें से प्रत्येक अपनी पूरी क्षमता के साथ नए वर्ष में नए अवसरों को प्राप्त करे।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ। जय हिंद। जय इंडियनऑयल।

वी सतीश कुमार
निदेशक (विपणन)

Message from Director (Marketing)

Dear Colleagues,

'The best way to predict the future is to create it', a great inspirational quote, beautifully sums up the philosophy of our business and life. With a clear vision and a well-defined roadmap, we can create our future. It requires introspection, determination, commitment, and action.

The New Year is upon us. It is time to look back on the road we travelled on, to revisit the milestones we crossed, to check how we fared during the bygone year. Standing on the edifice of history thus created, it is time to charter the course for a fruitful year ahead and to design ways to better our performance.

2022 witnessed the commissioning of IndianOil's 35,000th RO. We expanded our branded fuels market base – XP95 is now available at 8,600+ outlets, XP100 at over 160 and XTRAGREEN in more than 3,300 outlets. The focus on customer delight at retail outlets was in evidence through the introduction of state-of-the-art DUs, and an ambiance spruced up by elegant canopies, driveways, washrooms and RVI elements, which we now need to consolidate and reap their benefits. We are determined to carry forward the momentum by focusing on initiatives like Way Side Amenities and Alternate Energy (CBG, LNG Fuel Stations and Electric Charging Stations).

There was notable progress in LPG, with a thrust on promoting composite cylinders and the focus is also shifting to commercial and industrial products, with an extensive push for Xtratej, Nanocut, Jumbo, Chottu and Munna. During 2022, bottling capacity was increased to 10,741 TMT, while a maintenance cadre was created. Discussions on the pilot process of blending DME (Dimethyl Ether) in LPG were initiated during the year.

IB was ramping up some impressive numbers too. 15,000 KL of XTRAGREEN diesel was sold from April to November 2022 – a noteworthy achievement given the price differential of around ₹20 per litre over RSP. By 31st March 2022, the landmark of one million tonnes of VLS FO marine bunker fuel sale was also breached. The division also posted record growth in sales of Sulphur during the non-peak season.

SERVO celebrated 50 years of trust during the year. Green Combo lubricants were awarded second-best innovation by the Bureau of Energy Efficiency. The field tests carried out diligently by technical services played a vital role in earning this recognition.

Great strides were made towards long-term CAPEX targets, with a total of ₹ 4,746 crore achieved during the calendar year. This materialised through 434 TKLs of tankage added at POL locations – Guntakal, Silchar, Motihari, Manmad, Ahmednagar, Asanur, Hingonia (CBG); with a further 485 TKLs awaiting progressive mechanical completion and commissioning at Solapur, Atchutapuram, Malkapur, Baitalpur, Vijayawada and Gorakhpur (CBG).

IndianOil has commenced indigenous production of AV Gas 100 LL in our own refinery at Koyali (Gujarat) in an initiative taken under 'Atma Nirbhar Bharat'. The indigenous production has brought down the cost of the product and is acting as a growth propeller for the Flying Training Operators in India. IndianOil Aviation has commissioned three AFSs so far in the year 2022-23, and another three AFSs are planned in balance of 2022-23. IndianOil's reach has expanded now to 129 airports in the country in addition to five open access locations.

The year 2022 was the year of 'Crafting a Green Future'. Our responsibility towards Mother Earth will always remain a high priority. This commitment was affirmed through GreenCo Certification of over 60 units including two COCOs and two buildings (seven Platinum and 20 Gold). IndianOil also bagged the GreenCo Champion and IGBC Champion awards. In a significant green initiative, IndianOil planted over three lakh trees during the year.

During 2022, fifteen labs were modernised to SMART Lab criteria. With this, 50 Labs have been upgraded, with the remaining five labs slated to be upgraded by March 2023.

There was a big impetus on CSR projects during 2022. Marketing Division's CSR Project 'Fodder bank and skill-based training facility' at NTR College of Veterinary Science, Vijayawada, Andhra Pradesh, was adjudged the Best Project. Against stiff competition of over 50 PSUs, it still won the most-coveted awards from both AIMA and FICCI in the respective categories.

Looking ahead, in support of the Hon'ble Prime Minister's Vision for 'TB Mukt Bharat by 2025', five years ahead of UN's target of 2030, we will be executing the 'Intensified Tuberculosis Project' in Uttar Pradesh and Chhattisgarh at an outlay of approximately ₹ 64 crore.

IndianOil played a crucial role in the translocation of cheetahs at Kuno National Park, contributing greatly to the restoration of biodiversity of Indian natural habitats. As the lead energiser of this project, IndianOil is supporting the National Tiger Conservation Authority (NTCA) with ₹50.22 crore to take Project Cheetah forward. Seven decades after it was declared extinct in 1952, the first batch of eight cheetahs were released to Indian soil at Kuno National Park by Prime Minister Shri. Narendra Modi.

As an organisation committed to protecting India's glorious heritage, we signed an MoU with the Directorate of Tourism, Government of Maharashtra to preserve the glory of the iconic Gateway of India. IndianOil will provide support façade lighting/illumination, sound-and-light show, develop provision for safety measures at jetties, and provide signages at vantage points at Gateway of India.

By any parameter, it's been a good year. Especially coming in the backdrop of all that has transpired over the past few years. We also live in times when we must look beyond numbers and profit.

Development, growth and progress should be all-round. Holistic development at both corporate and individual levels, where we are focused on improvement, will augur well for building a mighty company and a better world.

At the corporate level, a mechanism is already in place for this. It's called Corporate Social Responsibility or CSR. The same responsibility at an individual level is now becoming a thing – Individual Social Responsibility or ISR. In concept, it means that we, as individuals, have a moral responsibility towards society. Whoever we are, whatever we do. No exceptions! It goes back to that famous quote: "Ask not what your country can do for you; ask what you can do for your country, company, community, society and world!

As a company, IndianOil is always exploring new avenues for unleashing potential in existing opportunities and remaining ever cognizant to capture emerging opportunities. Much of that is reflected in the strides we make each year at every level – performance across verticals, green energy, adapting to an ever-changing future; as well as CSR initiatives from serving community and country to nurturing sport.

I'm wondering how we can give direction to ISR. What guiding light or formula can we come up with that gives individuals a roadmap for development and helps accelerate them towards fulfilment of their societal responsibilities and goals.

The word Coach springs to mind. More, the acronym COACH, as per the recent article in Harvard Business Review is broken down into its component ingredients, with an eye on ISR.

Now we all know what or who a Coach is. One with the experience and expertise to give direction to their wards in search of excellence or performance-enhancement. So, what should be the qualities of a Coach?

C stands for **Caring**. At the workplace, that means caring about one's colleagues and the work environment. Which is, being cognizant all the time of opportunities to help one's co-workers raise the bar on performance or creating an ambiance that will spur performance and efficiency.

O is for **Organizing**. Organizing can be literal and metaphorical. Organizing each one into their sweet spot for bringing out better efficiencies in workspace. Organizing one's life and that of those around us, with an eye on self-actualization.

A is for **Align** and **Actualization**. Or self-actualization if one has to borrow from psychology. As defined in Maslow's hierarchy of needs, it's that pinnacle of the pyramid – the highest level of psychological development – where personal potential is fully realized. Our own, as well as those around us. When that happens, think again of where the organization would reach. The possibilities are mindboggling, really, when individuals align with the organization's purpose and values.

C stands for **Challenging** each individual to take up ambitious targets and develop a **Commitment** to everything that leads to growth and progress. A commitment to the wellbeing of others, of the company and of society. A commitment to oneself as well. It's a pledge to break out of that comfort zone. Raise the bar, shoot higher.

H stands for **Help.** Do all you can to help the people around you achieve their goals and objectives. As a collective, we'll all benefit from it. That's what a society or a company is all about. We're all interconnected. When one succeeds, we all succeed. Help others in achieving their potential. H could also stand for **Hope** or **Higher.** Hope keeps us going. Higher is where we all must go.

Can we all become COACHes for the betterment of everybody? Remember, successful leaders are great coaches. I wish all of you develop into one. Can we look at every moment as an opportunity to improve ourselves, improve others, improve society?

It's the New Year 2023. The perfect time to make a new commitment. Let's have a prosperous year ahead and I wish that each of us intersects new opportunities to fulfil our potential.

Happy New Year. Jai Hind. Jai IndianOil!

V. Satish Kumar
Director (Marketing)